सामाजिक विज्ञान-2014 (प्रथम पाली)

Time : 2 Hour 45 Minutes] [Full Marks : 80

परीक्षार्थी के लिये निर्देश :

1. परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
2. दाहिनी ओर हाशिये पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।
3. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. उत्तर देते समय परीक्षार्थी यथासंभव शब्द-सीमा का ध्यान रखें।
5. इस प्रश्नपत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।

सामान्य निर्देश :

(i) प्रश्न-पत्र पाँच ग्रुपों में विभाजित है, जिसमें कुल 30 प्रश्न दिए गए हैं। ग्रुप-A और ग्रुप-B में प्रत्येक 20 अंक, ग्रुप-C और ग्रुप-D में प्रत्येक 17 अंक तथा ग्रुप-E में 6 अंक निर्धारित है।

(ii) 1 अंक के प्रश्न में दो तरह के प्रश्न दिए गये हैं—बहु वैकल्पिक और रिक्त स्थानों की पूर्ति। वैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर प्रश्न-पत्र में दिए गए विकल्पों में से चुनकर लिखना है। रिक्त स्थानों की पूर्ति पाठ्य-पुस्तक के अनुसार सही शब्दों द्वारा करना है।

(iii) 2 अंक के सभी प्रश्न अति लघु उत्तरीय हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 20 शब्दों में देना है।

(iv) 3 अथवा 4 अंकों के सभी प्रश्न लघु उत्तरीय हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर अधिकतम 50 अथवा 60 शब्दों में देना है।

(v) 6 अथवा 7 अंकों के सभी प्रश्न दीर्घ उत्तरीय हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 100 अथवा 120 शब्दों में देना है।

(vi) मानचित्र से सम्बंधित प्रश्नों का उत्तर निर्देशानुसार देना है।

GROUP-A इतिहास (अंक : 20)

निम्नांकित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें :

1. जर्मन राइन राज्य का निर्माण किसने किया था ? 1
   (क) लुई 18 वाँ (ख) नेपोलियन बोनापार्ट
   (ग) नेपोलियन III (घ) बिस्मार्क

2. रूपा विद्रोह कब हुआ ? 1
   (क) 1916 (ख) 1917 (ग) 1918 (घ) 1919

3. सही शब्द से रिक्त स्थान की पूर्ति करें : 1
   रूसी क्रान्ति के समय शासक.....था।

4. सही शब्द से रिक्त स्थान की पूर्ति करें : 1
   बाल गंगाधर तिलक और.....ने होमरूल आन्दोलन को शुरू किया।

5. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें। 3
   गैरीबाल्डी के कार्यों की चर्चा करें।

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com

6. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें।
साम्यवाद एक नई आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था थी। कैसे ?

7. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें।
1929 के आर्थिक संकट के कारणों को संक्षेप में स्पष्ट करें।

8. निम्न प्रश्न का उत्तर 100 अथवा 120 शब्दों में दें।
असहयोग आन्दोलन के कारणों एवं प्रभावों का वर्णन करें।

अथवा, राष्ट्रवाद के उदय के कारणों एवं परिणामों की चर्चा करें।

GROUP–B भूगोल (अंक : 20)

निम्नांकित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें :

9. देश के बाँधों को किसने 'भारत का मंदिर' कहा था ?
(क) महात्मा गाँधी (ख) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
(ग) पंडित नेहरू (घ) स्वामी विवेकानन्द

10. कॉवर झील किस जिला में स्थित है ? 1
(क) दरभंगा जिला में (ख) भागलपुर जिला में
(ग) बेगूसराय जिला में (घ) मुजफ्फरपुर जिला में

11. सही शब्द से रिक्त स्थानों की पूर्ति करें :
(i) उच्चावच प्रदर्शन के लिए हैश्यूर विधि का विकास.....ने किया था। 1
(ii) बिहार में सबसे अधिक आबादी वाला जिला.....है। 1
(iii) लौह अयस्क का उपयोग.....उद्योग में किया जाता है। 3

12. निम्न प्रश्न का उत्तर 20 शब्दों में दें :
वन्य जीवों के ह्रास के चार प्रमुख कारकों का उल्लेख करें। 2

13. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें :
बिहार के नहरों के विकास से सम्बन्धित समस्याओं को लिखिए। 3

14. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें :
वायु परिवहन की प्रमुख विशेषताओं को लिखें। 3

15. निम्न प्रश्न का उत्तर 100 अथवा 120 शब्दों में दें :
गेहूँ के उत्पादन के लिए मुख्य भौगोलिक दशाओं का वर्णन करते हुए भारत के गेहूँ उत्पादक क्षेत्रों का उल्लेख करें। 7

अथवा, पूरे पृष्ठ पर भारत का एक रेखा मानचित्र बनाइए तथा निम्नलिखित को छायांकित कर नाम अंकित कीजिए :
(क) कांडला बंदरगाह (ख) बोकारो इस्पात संयंत्र
(ग) ताम्बा उत्पादक क्षेत्र (घ) कोशी परियोजना
(ङ) गन्ना उत्पादक क्षेत्र।

अथवा, केवल नेत्रहीन छात्रों के लिए :
भारत के सूती वस्त्र उद्योग का वर्णन करें।

GROUP–C राजनीति विज्ञान (अंक : 17)

निम्नांकित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें :

16. "लोकतंत्र जनता का, जनता द्वारा, जनता के लिए शासन है।" यह कथन किसका है? 1
(क) जॉर्ज वाशिंगटन (ख) अब्राहम लिंकन
(ग) अरस्तू (घ) लॉर्ड ब्राइस

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com

17. बिहार में सम्पूर्ण क्रांति का नेतृत्व निम्नलिखित में से किसने किया ? 1

(क) मोरारजी देसाई (ख) नीतीश कुमार

(ग) इन्दिरा गाँधी (घ) जयप्रकाश नारायण

18. निम्न प्रश्न का उत्तर 20 शब्दों में दें :

संघ राज्य का अर्थ बताइए। 2

19. निम्न प्रश्न का उत्तर 100 अथवा 120 शब्दों में दें।

राजनीतिक दल को 'लोकतंत्र का प्राण' क्यों कहा जाता है ? 6

अथवा,परिवारवाद और जातिवाद बिहार में किस तरह लोकतंत्र को प्रभावित करता है ?

20. निम्न प्रश्न का उत्तर 20 शब्दों में दें :

बिहार में छात्र आंदोलन के प्रमुख कारण क्या थे ? 2

21. निम्न प्रश्न का उत्तर 100 अथवा 120 शब्दों में दें :

लोकतंत्र किस तरह उत्तरदायी एवं वैध सरकार का गठन करता है ? 5

GROUP–D अर्थशास्त्र (अंक : 17)

निम्नांकित बहुविकल्पीय प्रश्नों में सही विकल्प चुनें :

22. सन् 2008–09 के अनुसार भारत की औसत प्रति व्यक्ति आय है- 1

(क) 22,553 रुपये (ख) 25,494 रुपये

(ग) 6,610 रुपये (घ) 54,850 रुपये

23. निम्न में कौन-से देश में मिश्रित अर्थव्यवस्था है ? 1

(क) अमेरिका (ख) चीन

(ग) भारत (घ) इनमें से कोई नहीं

24. निम्न प्रश्न का उत्तर 20 शब्दों में दें।

उदारीकरण को परिभाषित करें। 2

25. निम्न प्रश्न का उत्तर 100 अथवा 120 शब्दों में दें।

मुद्रा के आर्थिक महत्व पर प्रकाश डालें। 6

अथवा,राज्यस्तरीय संस्थागत वित्तीय स्रोत के कार्यों का वर्णन करें।

26. निम्न प्रश्न का उत्तर 20 शब्दों में दें :

आय से आप क्या समझते हैं ? 2

27. निम्न प्रश्न का उत्तर 100 अथवा 120 शब्दों में दें :

वर्तमान आर्थिक मंदी का प्रभाव भारत के सेवा क्षेत्र पर क्या पड़ा ? लिखें। 5

GROUP–E आपदा प्रबन्धन (अंक : 6)

28. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें :

सुखाड़ प्रबंधन का वर्णन करें। 4

निम्नांकित बहुविकल्पीय प्रश्नों में सही विकल्प चुनें :

29. नदियों में बाढ़ आने का प्रमुख कारण क्या है ? 1

(क) जल की अधिकता (ख) नदी की तली में अवसाद का जमाव

(ग) वर्षा की अधिकता (घ) इनमें से कोई नहीं

30. बाढ़ के समय लोगों को निम्न में से किस स्थान पर जाना चाहिये ? 1

(क) ऊँची भूमि वाले स्थान पर (ख) गाँव के बाहर

(ग) जहाँ हैं उसी स्थान पर (घ) खेतों में।

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com

GROUP–A इतिहास (अंक : 20)

1. (ख), 2. (क),

3. निकोलस द्वितीय।

4. एनी-बेसेंट।

5. गैरीबाल्डी—इटली के एकीकरण में गैरीबाल्डी का योगदान अत्यंत ही महत्वपूर्ण है। गैरीबाल्डी मेजिनी के राष्ट्रवादी विचारों से प्रभावित होते हुए काबूर के संवैधानिक राजतंत्रका पक्षधर था। उसने अपने स्वयंसेवकों की सशस्त्र सेना का गठन कर इटली के प्रांत सिसली तथा नेपल्स पर आक्रमण कर विजय प्राप्त की। उसने यहाँ गणतंत्र की स्थापना कर विक्टर इमेनुएल के प्रतिनिधि के रूप में सत्ता संभाली। बाद में दक्षिण इटली के संपूर्ण जीते गए क्षेत्र एवं संपत्ति को इमेनुएल को समर्पित कर दिया। गैरीबाल्डी एक महान देशभक्त एवं इटली के एकीकरण का प्रबल समर्थक था, जिसने दक्षिणी क्षेत्र का शासक बनने के बजाए कृषि कार्य को स्वीकार कर अपनी नि:स्वार्थ राष्ट्रभक्ति का परिचय दिया।

6. रूस में अक्टूबर क्रांति के बाद स्थापित साम्यवाद एक नई आर्थिक एवं सामाजिक व्यवस्था बन कर उभरी। इस नई व्यवस्था ने आर्थिक एवं सामाजिक क्षेत्रों में जमींदारों, कुलिन वर्ग के लोगों के प्रभुत्व को समाप्त कर दिया। क्रांति के पूर्व काल के ये विशेषाधिकार प्राप्त कुलीन वर्ग का देश के उद्योग धंधे, कल कारखाने एवं भूमि पर अधिकार था। इन कुलीनों के पास आय के सभी साधनों पर एकाधिकार था। फलत: इन्हें बिना श्रम किए विलासपूर्ण जीवन जीने एवं सामाजिक श्रेष्ठ जीवन बिताने की मजबूत आर्थिक स्थिति प्राप्त थी।

नई साम्यवादी व्यवस्था में कृषि भूमि को राज्य की संपत्ति घोषित कर खेतों में काम करने वाले किसानों के बीच बाँट दिया गया। व्यक्तिगत संपत्ति को जब्त कर उसे राज्य की संपत्ति घोषित की गई। अब काम करना प्रत्येक व्यक्ति के लिए अनिवार्य हो गया। इससे रूसी समाज में नई आर्थिक समानता का जन्म हुआ।

उद्योग धंधों का भी राष्ट्रीयकरण किया गया। उत्पादन तथा उपयोग की सभी वस्तुओं पर राजकीय एकाधिकार स्थापित किया गया। उद्योग एवं व्यापार के संचालन हेतु चराजकीय तंत्र स्थापित किए गए। विदेशी व्यापार राजकीय एकाधिकार के अंतर्गत लाया गया।

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com

8.1919 में रॉलेट कानून के निर्मम चरित्र ने जहाँ व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हनन किया वहीं अंग्रेजों की दोगली नीति को भी जगजाहिर किया। रॉलेट एक्ट ने भारतीयों को अपमान और चरोष से भर दिया। 1919 ई. में ही खिलाफ समिति की स्थापना कर खलीफा के साथ किए गए व्यवहार के विरुद्ध मुसलमानों में भी अंग्रेज विरोधी भावना भर गयी। इस प्रकार जालियाँवाला बाग, खिलाफत आंदोलन की असफलता ने गाँधीजी को एक ऐसा स्वर्णिम अवसर प्रदान किया जिसके तहत हिंदू मुस्लिम एक साथ मिलकर अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध लड़ सकते थे। इन्हीं भावनाओं से प्रभावित होकर गाँधीजी ने असहयोग आंदोलन चलाने का निर्णय लिया। इस आंदोलन ने देखते ही देखते पूरे भारत के लोगों में अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष करने एवं उसे देश से निष्कासित करने का भाव पैदा किया। 1920 के प्रारंभ तक असहयोग आंदोलन प्रथम जन आंदोलन के रूप में दिखाई देने लगा। शहर के बुद्धिजीवियों, ग्रामीण किसानों, मजदूरों, आदिवासियों ने भी इस आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लेकर संघर्ष की विजयगाथा लिखने का दृढ़ संकल्प प्रदर्शित किया। इसलिए इस आंदोलन को प्रथम जन आंदोलन कहा जाता है।

अथवा, राष्ट्रवाद मनुष्य की वह आंतरिक भावना है जिससे प्रभावित होकर वह अपने राष्ट्र के भौगोलिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक एकता को बनाए रखने हेतु तन, मन, धन से समर्पित रहता है। यह राष्ट्र की एकता का संवाहक एवं उसके विकास का प्रस्तोता होता है।

यूरोप में राष्ट्रवाद की भावना का विकास 18वीं तथा 19वीं शताब्दी में हुआ जिसका व्यापक प्रभाव यूरोप और विश्व के अन्य भागों पर पड़ा।

इसके निम्नलिखित महत्वपूर्ण कारण थे—

1. यूरोप के पुनर्जागरण काल से ही राष्ट्रीय चेतना का विकास होना शुरू हुआ। 1789 ई. के फ्रांसीसी क्रांति में यह सशक्त रूप लेकर प्रकट हुआ। 19वीं शताब्दी के अंत तक यह भावना यूरोप के लोगों में काफी प्रभावकारी रूप में आ गई।

18वीं शताब्दी के अंतिम वर्षों में नेपोलियन के आक्रमणों से इटली, पोलैंड, जर्मनी जैसे देशों में इस भावना का जन्म हुआ था। फ्रांसीसी क्रांति के उद्घोष स्वतंत्रता, समानता और बन्धुत्व के स्वर ने समाज के निचले श्रेणी के लोगों में भी राष्ट्र के प्रति एक आकर्षण पैदा किया। नेपोलियन के पतन के बाद फ्रांस पर विदेशी यूरोपीय राष्ट्रों का आक्रमण शुरू हुआ तो फ्रांसीसी लोगों में राष्ट्र की अखंडता को बचाए रखने हेतु एक नई राष्ट्रीय भावना का जन्म हुआ। पुन: मेटरनिक ने जब पूरे यूरोपीय राज्यों की संरचना में आमूलचूल परिवर्तन करना चाहा तो यूरोप के लोगों में अपने राष्ट्र के वर्तमान स्वरूप को बनाए रखने हेतु एक बार पुन: राष्ट्रीयता का भाव जागृत हुआ। लोगों में राष्ट्र की संरचना को सुरक्षित रखने हेतु जागरूकता पैदा हुई।

20वीं शताब्दी के प्रारंभ में बाल्कन प्रदेशों के छोटे-छोटे राष्ट्र भी यथा सर्बिया, बुल्गेरिया, ट्रिपिया, अल्बानिया जैसे राष्ट्रों के लोगों में अपने राष्ट्र की अखंडता को बनाए रखने एवं उसके विकास की भावना काफी बलवती हुई। इस प्रकार यूरोप में राष्ट्रवाद का विकास क्रमश: विभिन्न कालों में हुआ।

इसके परिणाम निम्नलिखित थे—

1. राष्ट्रीयता के विकास के परिणामस्वरूप यूरोप के अनेक राष्ट्रों में क्रांतियां एवं आंदोलन हुए। इसके परिणामस्वरूप अनेक राष्ट्रों का उदय हुआ। जर्मनी एवं इटली का एकीकरण राष्ट्रीयता के उदय का परिणाम था।

2. यूरोपीय राष्ट्रवाद का प्रभाव एशिया और अफ्रीका पर भी पड़ा। यूरोपीय आधिपत्य के विरुद्ध औपनिवेशिक शासन से मुक्ति के लिए इन उपनिवेशों में राष्ट्रीय आंदोलन शुरू हुए।

3. भारतीय राष्ट्रवाद का जन्म भी यूरोपीय राष्ट्रवाद से प्रभावित था। जैसे मैसूर के शासक

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com

टीपू सुल्तान ने फ्रांसीसी क्रांति से प्रभावित होकर 'जेकोबिन क्लब' की स्थापना कर अंग्रेजों के विरुद्ध युद्ध किया। राष्ट्रवाद के विकास ने प्रतिक्रियावादी निरंकुश शासकों का प्रभाव कमजोर कर दिया।

4. राष्ट्रवाद का नकारात्मक परिणाम—19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में राष्ट्रवाद संकीर्ण राष्ट्रवाद के रूप में बदल गया।

5. राष्ट्रवादी प्रवृति ने साम्राज्यवादी प्रवृत्ति को प्रेरित किया जिसके फलस्वरूप यूरोपीय राष्ट्र साम्राज्यवादी और उपनिवेशवादी दौड़ में लिप्त हो गए जिससे अंतत: प्रथम विश्वयुद्ध की पृष्ठभूमि तैयार हुई।

GROUP–B भूगोल (अंक : 20)

9. (ग), **10.** (ग)

11. (i) लेहमान, (ii) पटना, (iii) लौह इस्पात उद्योग।

12. वन्य जीवों के ह्रास के चार प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं—

(i) लगातार बढ़ती हुई आबादी के लिए निवास एवं कृषि विस्तार और उद्योगों की स्थापना आवश्यक बन गया। फलस्वरूप वनों को काटकर इस आवश्यकता की पूर्ति की गई।

(ii) मनुष्य द्वारा कृषि में कीटनाशक रासायनिक दवाइयों के छिड़काव से भी वन्य जीवों पर बुरा प्रभाव पड़ा।

(iii) मनुष्य द्वारा कृषि की विशिष्टीकरण का भी वन्य जीवों पर बुरा प्रभाव पड़ा।

(iv) वन्य जीवों के शिकार के कारण भी वन्य जीवों का अस्तित्व समाप्त हो गया।

13. बिहार में जल संसाधन का उपयोग मुख्य रूप से सिंचाई गृह एवं औद्योगिक संस्थानों में होता है। यहाँ सिंचाई का महत्वपूर्ण साधन नहर है। लेकिन यहाँ के मैदानी हिस्सों में जहाँ नहरों का विकास हुआ है जिसमें वर्ष भर नहरों का पानी नहरों के रख-रखाव के अभाव में नहीं रह पाता है। हाल के वर्षों में नहरों की मरम्मत नहीं की जाने के कारण उसमें कई वर्षों से मिट्टी भरे रहने के कारण और समय पर नहरों में पानी नहीं छोड़े जाने के कारण आज नहर बिहार के विकास के मार्ग में महत्वपूर्ण भूमिका अदा नहीं कर पा रहा है।

14. वायु परिवहन की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं।

वायु परिवहन एक ऐसा परिवहन का साधन है जिसके द्वारा जंगल, पहाड़, पठार, नदी, झील समुद्र इत्यादि के द्वारा भी प्रभावित नही होती है तथा इन सबको पार करते हुए परिवहन का कार्य आसानी से हो पाता है। बहुत लंबी दूरी की यात्रा इसके द्वारा बहुत ही कम समय में तय कर ली जाती है। अर्थात देश के भीतर कहीं-कहीं ऐसा जगह है जहाँ रेल मार्ग एवं सड़क मार्ग के द्वारा नही पहुँचा जा सकता है वहाँ वायुमार्ग के द्वारा आसानी से पहुँचा जा सकता है।

15. गेहूँ भारत देश की प्रमुख खाद्यान्न रहबी फसल है जिसका उपयोग मनुष्य मुख्य पदार्थ के अलावे अनेक प्रकार के पौष्टिक आहार तथा मवेशियों के लिए चोकर इसी से तैयार किए जाते हैं। गेहूँ की बुआई 15 नवम्बर से लेकर 15 दिसम्बर के बीच की जाती है। इसमें प्रथम सिंचाई 22 से लेकर 25 दिनों के बीच तथा तीसरी सिंचाई 70 से 80 दिनों के बीच होनी चाहिए। इसकी खेती कुल कृषि क्षेत्र के लगभग 15% भाग पर की जाती है। मुख्य भौगोलिक दशाएँ शीतोष्ण कटिबंधीय इस फल के लिए आवश्यक भौगोलिक दशाएँ निम्न प्रकार है।

(i) बुआई के समय 10 – 15°C तथा पकते समय 21 – 26°C तापमान

(ii) 50 – 100 सेमी शीतकालीन वर्षा इसके लिए उपर्युक्त है।

(iii) पला से इसकी बचाव बहुत जरूरी है।

(iv) जलोढ़ तथा काली मिट्टी युक्त समतल भूमि इसकी खेती के लिए आवश्यक है।

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com

(v) पर्याप्त सस्ते मजदूर इसकी कटाई तथा बुनाई के लिए आवश्यक है।

गेहूँ की खेती मुख्य रूप से पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, मध्य प्रदेश पश्चिम बंगाल, बिहार तथा राजस्थान में किया जाता है।

अथवा,

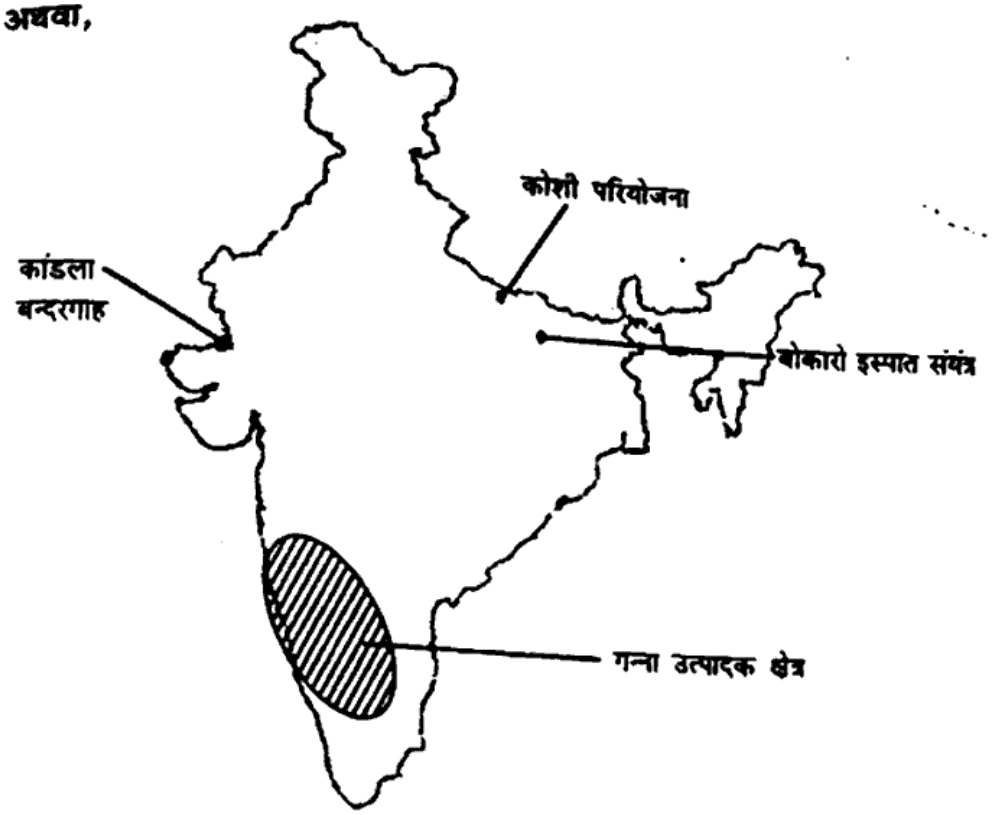

GROUP–C राजनीति विज्ञान (अंक : 17)

16. (ख), **17.** (घ)

18. जब कई स्वतंत्र व संप्रभु राज्य आपस में मिलकर एक संविधान के अंतर्गत शासन करना स्वीकार करते हैं तो इसे संघीय राज्य कहा जाता है।

19. राजनीतिक दल अपने सिद्धांतों के आधार पर जमा होकर अपने दल का गठन करते हैं मनुष्य की सबसे बड़ी विशेषता उसी सोच की मतभिन्नता है। यही सोच की मतभिन्नता उन्हें श्रेष्ठ समन्वयकारी बनाता है। लोकतंत्र विभिन्न जातियों, धर्मों, नस्लों एवं विचारों की शासन प्रणाली है। जिसमें प्रत्येक राजनीतिक दल को लोगों के समक्ष अपने विचार रखने और उन विचारों से लोगों को प्रभावित करने का अधिकार है। राजनीतिक दल अपने विचारों को लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोगों तक प्रचारित एवं प्रभावित करने का कार्य करता है। ताकि लोग विभिन्न विचारों पर चिंतन और मनन करें और राष्ट्र के लिए एक नए भाव को उद्भाषित करें।

राजनीतिक दल सरकार की निरंकुश नीति एवं लोकविरोधी कार्यों को लोगों तक पहुंचाकर एक तरफ जहाँ लोगों को राजनीति की जानकारी देता है वहीं सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोगों को अपने अनशन, सदन का बहिष्कार एवं अन्य प्रतीकात्मक कार्यों के द्वारा लोकतांत्रिक व्यवस्था को सही रूप में स्थापित करने का प्रयास करता है। इतना ही नहीं राजनीतिक दल सरकार की गलत नीतियों की आलोचना कर उनमें पदच्युत होने का डर पैदा करता है। जिसके फलस्वरूप शासक वर्ग लोकतांत्रिक व्यवस्था को पटरी पर बनाए, रखने हेतु बाध्य हो जाता है।

19. अथवा, वर्षों की गुलामी बाद जब हमने काफी संघर्ष के बाद अपनी स्वतंत्रता प्राप्त की तो हमारे महान नेता महात्मा गांधी को उम्मीद थी कि स्वतंत्र भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com

जातिवाद और परिवारवाद की संकीर्णताओं से पूरी तरह मुक्त रहेगा। लेकिन उनकी आशा के ठीक विपरीत भारत खासकर बिहार जातिवाद और परिवारवाद के साथ-साथ भ्रष्टाचार के दलदल में पूरी तरह फँसा नजर आया। हाल के वर्षों तक बिहार की राजनीति इसी जातिवाद और परिवारवाद से प्रभावित रही है। हाल के वर्षों में जदयू की सरकार ने इन दोनों बुराईयों से बिहार की राजनीति को मुक्त करने एवं योग्यता, समर्पण और लोकहित की भावनाओं से उत्प्रेरित लोगों को ही राजनीति में प्रवेश करने का अवसर प्रदान करना शुरू किया है। परिवारवाद और जातिवाद के आधार पर निर्मित लोकतंत्र के भीतर जहाँ अपनी नैतिक क्षमताओं से अलग-थलग रहा, वहीं विवेक और विचार के भावनाओं से भी राज्य या प्रांत की राजनीति को प्रभावित करने का अभी तक सार्थक प्रयास नहीं किया जा सका। यही कारण है कि स्वतंत्रता के बाद बिहार की परिवारवादी राजनीति ने कसी भी प्रकार का सार्थक कदम नहीं उठाया। जातिवाद मनुष्य की दूसरी संकीर्ण मनोवृति का परिचायक है जो अपनी संकीर्णता को राजनीतिक पटल पर अपनी लालसा और भोग को विस्तृत आयाम देने का अवसर प्राप्त करता है।

आज इन दोनों विपरीत मानसिकता से मुक्त होकर एक निष्पक्ष गुणवत्तापूर्ण लोकतंत्र को बनाए रखने की आवश्यकता है ताकि भारत और खासकर बिहार विश्व लोकतांत्रिक पटल पर एक सफल लोकतंत्र के रूप में प्रतिष्ठित होकर अन्य लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सके।

20. 1971 ई. के भारत-पाकिस्तान युद्ध में पाकिस्तान की शर्मनाक हार एवं बंगलादेश के एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में उदय ने जहाँ एक ओर प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी को एक नया आत्मविश्वास दिया तो दूसरी ओर, एक नई निरंकुशता को भी उनके व्यक्तित्व में समाहित कर दिया। बंगलादेशी शरणार्थी की समस्या को विश्वव्यापी सोहरत के रूप में श्रीमती गाँधी की निरंकुश राजसत्तावादी नीति ने सामान्य लोगों के हितों में खासकर युवाओं के रोजगार संबंधी समस्याओं को सुलझाने में असहमति प्रगट करना शुरू की। भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, वस्तु की मूल्य वृद्धि, खाद्यान्न समस्या आदि ने युवकों के बीच असंतोष का दावानल फैलाना शुरू किया। फलत: संघर्षशील राष्ट्रीयता के पुरोधा जयप्रकाश नारायण ने बिहार के असंतुष्ट युवकों को प्रभावशाली वाणी दी जिसे छात्र आंदोलन के रूप में जाना जाता है।

21. लोकतंत्र लोगों की इच्छाओं को मूर्त रूप देने वाला वह शासन तंत्र है जिसमें लोग अपने प्रतिनिधियों के द्वारा लोकतिकारी उत्तरदायी सरकार के रूप में कार्य करता है। जनता जब ऐसे प्रतिनिधियों को चुनकर सत्ता में लाती है तब इन प्रतिनिधियों का मुख्य लक्ष्य जनता के हितों में कल्याणकारी फैसला लेना और उन फैसलों को ससमय क्रियान्वित करना होता है। जिस लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में लोग जाति, धर्म, नस्ल एवं क्षेत्र की भावनाओं से कुप्रभावित रहते हैं वैसा लोकतंत्र न तो अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन कर पाता है और न उनकी वैधता ही कायम रह पाता है। भारत में उत्तरदायी और वैध कार्यों का अभी तक पूरी तरह क्रियान्वयन नहीं हो पाया है।

अप्रत्यक्ष लोकतंत्र में निर्वाचित जन प्रतिनिधियों द्वारा शासन संचालित की जाती है। निर्वाचित जन प्रतिनिधि ही देश के लिए कानून बनाते हैं और फिर इन कानूनों को सत्तारूढ़ सरकार पूरे देश में कायम करती है। योग्य, निष्पक्ष एवं प्रजातांत्रिक मूल्यों के प्रति संवेदना रखने वाले प्रतिनिधि निष्पक्ष रहते हुए लोकहितों में कानून बनाते हैं जिसमें पारदर्शिता होती है ताकि लोगों को कानून के निर्माण एवं उसके कार्यान्वयन संबंधी वास्तविक जानकारी मिल सके। लेकिन जब स्वार्थी, भ्रष्ट, अयोग्य प्रतिनिधि चुनकर राष्ट्र के लिए कानून बनाते हैं तब वे कानून न तो जनकल्याणकारी भावनाओं से प्रेरित होते हैं और न लोगों के हितों में। तब जनसंघर्ष की भावनाएं फैलने लगती

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com

है इसलिए लोकतंत्र को एक वैध उत्तरदायी शासन बनाने हेतु जनता की महती भूमिका होती है। पिछले चुनाव में भारत के लोगों ने अपराधी, भ्रष्ट एवं अयोग्य प्रतिनिधियों को चुनाव में अस्वीकार करता है।

GROUP–D अर्थशास्त्र (अंक : 17)

22. 25494

23. (घ)

24. उदारीकरण का अर्थ है सरकार द्वारा लगाए गए सभी अनावश्यक नियंत्रणों तथा प्रतिबंधों जैसे—लाइसेंस, कोटा आदि को हटाना है। आर्थिक सुधारों के अंतर्गत सन् 1991 से भारत सरकार ने उदारीकरण की नीति अपनाई है।

25. आज के जीवन का प्रत्येक क्षण मुद्रा के प्रभाव में है। वर्तमान समाज से यदि मुद्रा को निकाल दिया जाए तो हमारी सारी अर्थव्यवस्था अस्त-व्यस्त हो जाएगी। आर्थिक प्रगति का आधार मुद्रा है। अर्थव्यवस्था का स्वरूप चाहे समाजवादी, पूंजीवादी, या मिश्रित ही क्यों न हो, सभी में मुद्रा आर्थिक विकास के क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मुद्रा के महत्व को प्रसिद्ध अर्थशास्त्री ट्रेस्कॉट ने समझा तथा लिखा—"यदि मुद्रा हमारी अर्थव्यवस्था का हृदय नहीं तो रक्तस्रोत तो अवश्य है।" अर्थ यह है कि आज की अर्थव्यवस्था से यदि मुद्रा को अलग कर दिया जाए तो इसका अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा। इसलिए प्रो. माशल ने कहा—मुद्रा वह धुरी है जिसके चारों तरफ संपूर्ण अर्थविज्ञान चक्कर काटता रहता है। मुद्रा के महत्व को क्राउथर की व्याख्या ने काफी स्पष्ट कर दिया—"ज्ञान की प्रत्येक शाखा की अपनी-अपनी मूल खोज होती है। जैसे यंत्र-शास्त्र में चक्र, विज्ञान में अग्नि, राजनीतिशास्त्र में वोट, ठीक उसी प्रकार मनुष्य के आर्थिक एवं व्यवसायिक जीवन में मुद्रा सर्वाधिक उपयोगी आविष्कार है जिस पर संपूर्ण व्यवस्था आधारित है।

25. अथवा, राज्यस्रतीय संस्थागत वित्तीय स्रोत में सहकारी बैंक प्राथमिक सहकारी समितियाँ, भूमि विकास बैंक, व्यावसायिक बेंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक तथ्था नाबार्ड एवं अन्य आते हैं। सहकारी बैंकों के माध्यम से राज्यों के किसान अल्पकालीन, मध्यकालीन एवं दीर्घकालीन प्रहण प्राप्त करते हैं। यह कई स्तरों पर अपने स्रोतों से कार्य करता है।

प्राथमिक सहकारी साख समितियाँ या प्राथमिक कृषि साख समितियाँ (PACS) उत्पादक कार्यों के लिए अउधिकतम एक वर्ष के लिए ऋण उपलब्ध कराती हैं तथा यह अवधि विशेष परिस्थिति में तीन वर्षों के लिए बढ़ाई जा सकती है। भूमि विकास बंधक बैंक कृषि में स्थायी सुधार एवं विकास के लिए दीर्घकालीन ऋण की व्यवस्था करती है।

व्यावसायिक बैंक भी अपने राज्यस्तरीय दायित्वों के अन्तर्गत शाखाओं का विस्तार करते हुए कृषकों को ऋण उपलब्ध कराती है। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक सीमांत एवं छोटे किसानों को, कारीगरों तथा अन्य कमजोर वर्ग के जरूरत को पूरा करने के उद्देश्य से ऋण या साख उपलब्ध कराती है।

नाबार्ड जो राष्ट्रीय कृषि ग्रामीण विकास बैंक के नाम से जाना जाता है; कृषि एवं और ग्रामीण विकास के लिए सरकारी संस्थाओं, व्यवसायिक बैंकों तथा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को वित्त की सुविधा प्रदान करता है, जिसे ये बैंक ग्रामीणों तक पहुँचाते हैं।

26. किसी भी व्यक्ति द्वारा किया गया शारीरिक अथवा मानसिक कार्य तब आय की श्रेणी में आता है, जब उसे इसके बदले पारिश्रमिक मिलता है। किसी भी अर्थव्यवस्था की संपन्नता अथवा विपन्नता का सूचक उस अर्थव्यवस्था के अन्तर्गत रहने वालों की व्यक्तिगत एवं सामाजिक आय होती है। आय वह मापदंड है जिसके द्वारा देश के आर्थिक विकास की स्थिति को जाना जाता है।

27. एक समय यह कहा जाता था कि जब फ्रांस छिंकता है तो सारे यूरोप की सर्दी लग

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com

जाती है; आज वही स्थिति अमेरिका की है, वहाँ आए आर्थिक मंदी ने सारे संसार को हिला कर रख दिया है।

इस मंदी का सबसे बड़ा शिकार सेवा क्षेत्र है। विकसित राष्ट्रों से तकनीकी वैज्ञानिकों की छंटनी करके रोजगार से मुक्त कर दिया गया है। इसका प्रभाव भारत के उन वैज्ञानिकों पर पड़ा है जो दूसरे राष्ट्र में रोजगार कर रहे थे। अमेरिका में कई बैंक दिवालिया हो गये तथा कितने ही वित्तीय संस्थाओं को बंद करना पड़ा।

भारत के सेवा क्षेत्र पर भी उसका असर देखने को मिला और सबसे ज्यादा सूचना एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में। हमारे इंजिनियर आज घ्भी बाह्य स्रोती में लगे हुए हैं। भारत में कार्यरत अनेक विदेशी कंपनियों ने छंटनी करनी प्रारंभ कर दी। http://www.bsebstudy.com

भारत के अन्य क्षेत्रों पर इसका प्रभाव नगण्य रहा, परंतु सेवा क्षेत्र पर इसका प्रभाव सर्वाधिक देखा गया है। यहाँ पर तकनीकी बेरोजगारी सर्वाधिक देखी गई।

GROUP–E आपदा प्रबन्धन (अंक : 6)

28. सुखे से बचाव के निम्न उपाय है—

(i) पेय जल का सुरक्षित भंडारण एवं वितरण की व्यवस्था करना।

(ii) पशुओं के लिए पर्याप्त चारे की व्यवस्था करना।

(iii) अधिक से अधिक वृक्षारोपन करना।

(iv) आवश्यकता से अधिक जल का उपयोग न करना।

29.(ग), 30.(क)।

http://www.bsebstudy.com

http://www.bsebstudy.com